LOK SABHA

Wednesday, June 14, 1967/Jyaistha 24, 1889 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR SPEAKER *in the Chair*]

MEMBER SWORN

Shri Prasannavadan Manilal Mehta (Bhavanagar)

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

ईसाई धर्मप्रचारक

*481. **श्री ओ० प्र० त्यागी** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) पिछले दो वर्षों की अवधि में विदेशी ईसाई मिशनों को विदेशों से मुफ्त वितरण के लिये कितनी मात्रा में खाद्य पदार्थ प्राप्त हुये ,

(ख) क्या भारत सरकार भी उन्हें मुफ्त वितरण के लिये खाद्यान्न देती है ,

(ग) यदि हां, तो कितनी मात्रा में और

(घ) क्या सरकार ने इस बात का पता लगाने का प्रयत्न किया है कि ये विदेशी ईसाई मिशन खाद्यान्नों के मुफ्त वितरण के बहाने कहीं भारत के गरीब लोगों का धर्म परिवर्तन तो नहीं कर रहे हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) सूचना एकत्रित की जा रही है और यथासमय सदन के सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

(घ) सूखाग्रस्त क्षेत्रों से धर्म परिवर्तन के कुछ व्यक्तिगत मामलों की सूचना मिली है । फिर भी सरकार की स्थिति का पूर्ण ज्ञान है और जहां कहीं आवश्यक होता है, उचित कार्यवाही की जाती है ।

श्री ओ० प्र० त्यागी : क्या सरकार सूखाग्रस्त क्षेत्रों में किये गये धर्म परिवर्तनों को अमान्य घोषित करेगी ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : सरकार के पास इस तरह का कोई अधिकार नहीं है कि कोई व्यक्ति यदि स्वेच्छा से अपना धर्म-परिवर्तन करे तो उसे अमान्य घोषित कर दे ।

श्री ओ० प्र० त्यागी : क्या सरकार को इस बात का ज्ञान है कि लोहारडाहा जो रांची जिले में है उस के गांवों में 9 व्यक्तियों का धर्म-परिवर्तन इन ईसाई सेवा केन्द्रों द्वारा किया गया है और क्या इसी प्रकार की सूखा-ग्रस्त क्षेत्रों में धर्म-परिवर्तन की अन्य घट-नाओं की शिकायतें आप के पास आई हैं, यदि आई हैं तो क्या सरकार एक ऐसा कमिशन नियुक्त करने का विचार रखती है जिससे तमाम सूखाग्रस्त क्षेत्रों में ईसाई धर्मप्रचारकों द्वारा किये गये धर्म परिवर्तनों की जांच की जाय ?

श्री विद्याचरण शुक्ल जी हां जैसा कि मैंने अपने मूल उत्तर में कहा इस तरह के कुछ व्यक्तिगत धर्म परिवर्तन के मामलों के बारे में हमें सूचना मिली है और उस के बारे में सरकार ध्यान दे रही है । बिहार सरकार ने उस के ऊपर काफी ध्यान दिया है, बाकी अभी ऐसी कोई इतनी बड़ी स्थिति पैदा

नहीं हुई जिसके कि ऊपर सरकार को एक कमिशन नियुक्त करने की आवश्यकता महसूस हुई हो।

श्री रघुवीर सिंह शास्त्री : क्या सरकार ने कभी इस प्रश्न पर इस दृष्टि से भी विचार किया है कि हमारे राष्ट्र के लिये यह कोई कम अपमानजनक बात नहीं है कि विदेशी लोग यहां आकर हमारे देश के नागरिकों को थोड़े से रोटी के टुकड़ों, कपड़ों और दवाओं के लालच में फंसा कर उन का धर्म परिवर्तन करें और उनको उनकी संस्कृति से विहीन करें ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : अध्यक्ष महोदय, यह बात बिल्कुल अनुचित होगी यदि कोई भी व्यक्ति चाहे वह विदेशी हो या देशी हो, प्रलोभन में डाल कर किसी भी भारतीय का धर्म परिवर्तन करने का प्रयत्न करे। इस बात को कानून के खिलाफ भी माना जाता है और यदि इस तरह की कोई शिकायत हमारे पास आती है तो उसके खिलाफ हम कड़े से कड़ा कदम उठाते हैं। अलबत्ता जब कोई व्यक्तिगत रूप से और स्वेच्छा से अपना धर्म परिवर्तन करना चाहता है तो उसको रोकने के लिये हमारे पास कोई शक्ति नहीं है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : राज्य मंत्री महोदय परस्पर विरोधी बातें कह रहे हैं। पहले उन्होंने स्वीकार किया कि इस तरह की कुछ शिकायतें मिली हैं लेकिन यह नहीं बतलाया कि उन शिकायतों की जांच की गई है या कोई कठोर कार्यवाही की गई है। बिहार के अपने दौरे में मुझे ऐसे हिन्दू मिले हैं जिन्होंने कहा कि जब तक हम गले में क्रास का चिन्ह डाल कर नहीं जाते तब तक हमें मिशन में खाना नहीं मिलता और न बच्चों को दूध मिलता है। ऐसी हालत में क्या सरकार इस बात की आवश्यकता नहीं समझती कि विदेशी मिशनरियों को एक आम चेतावनी दे कि अगर सूखाग्रस्त क्षेत्र का लाभ उठा कर उन्होंने बलात धर्म परिवर्तन का प्रयत्न किया तो उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : अध्यक्ष महोदय, मैंने किसी तरह की कोई परस्पर विरोधी बात नहीं कही। जो माननीय सदस्य ने कहा है उसके बारे में हम लोगों को सूचना मिली थी। उसके बारे में हम ने बिहार गवर्नमेंट को लिखा कि वह इस बारे में पता लगा कर हम को सूचना भेजे। उनकी सूचना अभी तक हमारे पास नहीं आई है।

जहां भी प्रलोभन में डाल कर किसी के धर्म परिवर्तन की बात है जैसे ही इस तरह की कोई खबर हमारे पास आती है, जैसी कि बिहार से आई तो हम तत्काल आवश्यक कार्यवाही करते है। हमने बिहार सरकार को इस बारे में जांच पड़ताल करने को कहा है और अगर किसी आदमी ने ऐसा काम किया हो तो उसे कड़ी से कड़ी सजा दें।

श्री विभूति मिश्र : अध्यक्ष महोदय, जब इस सदन के एक माननीय सदस्य ने यहां अपने दौरे में इस तरह के केसेज पाये और यहां हाउस में उस बारे में मंत्री जी को बतला दिया है तब वह उसे मान्य करेंगे या अभी भी उस पर प्रांतीय सरकार से रिपोर्ट का इंतजार करते रहेंगे ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : माननीय सदस्य ने जो वहां के बारे में कहा, मैंने उसे मान लिया है। मैंने उसे अमान्य नहीं किया है।

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : हमारे देश में जब भी यह धर्म परिवर्तन के समाचार छपते हैं तो उन से बड़ी सनसनी पैदा होती है। अभी बिहार के कुछ इलाकों में, मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में सूखे से जो स्थिति उत्पन्न हुई है उस में केवल बिहार से ही इस प्रकार के समाचार मिले है कि वहां धर्म परिवर्तन हो रहा है, इस धर्म परिवर्तन के समाचार

को मिलि हुये भी काफी रोज हो गये तो अब तक केन्द्रीय सरकार ने अपने तौर पर कोई जांच क्यों नहीं करवाई और वह बिहार सरकार के भरोसे क्यों बैठी रही ? आज की इस परिस्थिति में इससे काफी सनसनी पैदा हो गयी है। बिहार के कुछ इलाकों मे मैंने यह देखा है कि जहां यह ईसाई मिशनरीज काम कर रहे थे लोगों को भोजन व दूध आदि देने का वहां कई जगह लोगों ने गुस्से में उन के कामो को भी बन्द करवा दिया। क्या सरकार को भी इस प्रकार के समाचार मिल रहे, हैं यदि हा, तो सरकार उचित तौर पर और आवश्यक ढग से तेजी से यह जाच करने का काम वह स्वयं क्यो नही करती है ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : हम लोगो ने तेजी से ही जाच कराई है मगर ऐसी चीजों में जांच करने के लिये हमें राज्य सरकार की मशीनरी पर ही निर्भर करना पडता है और उसको हम ने लिखा है कि वह शीघ्र जाच करा कर हमे उस बारे मे सूचित करे। उस के ऊपर जाच भी कर रहे है।

Shri V. N. Jadhav: Is it a fact that foreign Christian missionaries are converting non-Christians in Goa on the pretext of free distribution of foodgrains?

Shri Vidya Charan Shukla: About Goa, I have no information at present.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : राज्य मंत्री महोदय को स्मरण होगा कि उनके पूज्य पिता ने मध्य प्रदेश मे नियोगी कमिशन की स्थापना की थी। इसी तरह का एक कमिशन पहले मध्य भारत में रैगें कमिशन के नाम से स्थापित हुआ था। इन दोनो कमिशनों ने जो अपनी रिपोर्टें दी थीं उनमें कहा गया था कि यह ईसाई धर्म प्रचारक सहायता की आड़ में यहां पर आकर लोगो का धर्म परिवर्तन ही नहीं कर रहे अपितु उन की राष्ट्रीयता में भी परिवर्तन हो जाता है। मामालैंड और नेफा के उदाहरण हमारे सामने हैं। ऐसी सब स्थितियों को ध्यान मे रखते हुए क्या गृह मंत्रालय अखिल भारतीय स्तर पर किसी ऐसे कमिशन की स्थापना पर विचार कर रहा है कि यह विदेशों से आ रही पी० एल० 480 के अन्तर्गत सहायता व अन्य प्रकार का पैसा आज देश मे केवल धर्म परिवर्तन का ही काम नही कर रहा है अपितु राष्ट्रीयता में भी परिवर्तन हो रहा है उस के बारे मे वह अखिल भारतीय स्तर पर बना कमिशन अपना रिपोर्ट दे और उस के आधार पर फिर कुछ निर्णय लिया जाय ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : अध्यक्ष महोदय, इस सबंध मे हम लोग बहुत कड़ी नजर रखते हैं। विदेशों से जो पैसा आता है जिन के पास जाता है उनकी पंजीकरण होता है। उन को देखा जाता है और जिनको हम रैकगनाइज करते हैं केवल उन्ही के पास ऐसा पैसा दिया जा सकता है और वही लोग यह काम करते हैं। जैसा मैंने कहा हम लोगो के पास काफी सूचना राज्य सरकारो से आती रहती हैं और जहा भी यह पाया जाता है कि उन्होंने कुछ ऐसे काम किये कि स्वेच्छा के बिना किसी का धर्म परिवर्तन किया, इस प्रकार से जोर जबरदस्ती की गई या प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन की चेष्टा की गई तो उस पर एकदम कार्यवाही की जाती है।

श्री विभूति मिश्र : अब भूखा आदमी कोई भी पाप कर सकता है। आज ईसाई मिशनरियों के हाथ में गल्ले का और दूध आदि विभिन्न चीजों के वितरण का काम है तो क्या केन्द्रीय सरकार उस के ऊपर अपना कोई नियन्त्रण रखेगी ताकि इस तरह से उनके चंगुल मे फंस कर लोग अपना धर्म परिवर्तन न कर सकें ? मैं जानना चाहता हूं कि चव्हाण साहब इसके बारे में आवश्यक कदम उठा रहे हैं या नहीं उठा रहे हैं ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : मैंने अपने मूल उत्तर में भी कहा है कि हम लोगों ने कोई पदार्थ या खाद्यान्न इन ईसाई मिशनरियों के

हाथ में नहीं दिये हैं बल्कि बाहर से जो माल आता है उसी से काम करते हैं। जहां तक हमारे खाद्यान्न व दूसरी चीजों का संबंध है उसका वितरण हम अपनी एजेंसी के द्वारा करते हैं।

श्री विभूति मिश्र : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाएंट आफ आर्डर है। मेरे प्रश्न का जवाब नहीं आया है। मैंने यह जानना चाहा था कि ईसाई मिशनरीज जो सामान बांटते है उस के ऊपर सरकार कोई नियन्त्रण रखना चाहती है या नही उसका जवाब उन्हें देना चाहिये।

श्री विद्याचरण शुक्ल : इसका उत्तर मैं पहले ही दे चुका हूं कि खाद्य पदार्थ आदि वस्तुओं का वितरण हम स्वय अपनी एजेंसी के जरिये कराते है, बाकी जिनको बाहर से खाद्य पदार्थ व अन्य वस्तुए मिलती है उन को भी उन्हें बांटने की हम सोच समझ कर आज्ञा देते हैं। इस तरह का नियन्त्रण बांटे जाने के सम्बन्ध में हमारे पास है।

Shri Dhireswar Kalita: I do not object to preaching or baptising of Christians here by Indian Christians, but there is an American Baptist Missionary headquarters in Damra in Goalpara District in Assam, and nearby is the Matia camp where there are thousands of Pakistani refugees. These American Baptist missionaries are going to the Matia camp and they are converting them to Christianity and baptising them. Will Government probe into this affair and prevent this sort of activity there?

Shri Vidya Charan Shukla: We will certainly look into it.

Shri Lobo Prabhu: May I know if Government is aware of the constitutional provision that every religion, including Hindu religion, has the right to propagate its faith? In those circumstances; how is the Minister assuring that he is going to hold an enquiry only in respect of such reactions as there may have been to the benefactions of Christian missionaries?

Shri Vidya Charan Shukla: I have explained it already. We are aware of this constitutional provision. We do not come in the way of anybody who wants to propagate his religion by legal and constitutional methods. I have already said that we come into the picture only if somebody by coercion or by other means or by attracting people by illegal means, changes their religion. We try to prevent such things. Otherwise, if somebody is doing the normal propagation activities, we do not come into the picture at all.

Shri P. R. Thakur: Is it not a fact that the poor scheduled caste and scheduled tribe people are being converted to Christianity by these missionaries for want of food? If it is a fact, is the Government doing anything to prevent the missionaries from doing this sort of things in future?

Shri Vidya Charan Shukla: I have already said that a few individual cases are coming to our notice, and we have written to the State Governments to take action in the matter.

Some hon. Members *rose—*

Mr. Speaker: One gentleman has given a question, and there are 15 people wanting to put supplementaries.

Shri Amar Singh Saigal: Only one question.

Mr. Speaker: All of you want only one question.

श्री रामअवतार शास्त्री : क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि बिहार में जो क्रिश्चियन मिशनरी रिलीफ का काम कर रहे हैं वे हमारे देश में खुफियागीरी का काम भी करते हैं और साथ ही वे जो भुक्खड लोग हैं, जिन को खाना नहीं मिलता, उन की तस्वीरें ले कर अपने देश अमरीका भेजते

हैं, जो कि वहां छपती हैं और उनका असर हमारे देश के खिलाफ पड़ता है ? क्या इस को रोकने के लिये सरकार कोई कार्रवाई करेगी ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : यह प्रश्न इस प्रश्न पर नहीं उठता ।

श्री अ० सि० सहगल : क्या यह सच है कि जो ईसाइयों की प्रार्थनायें होती है उन में जो बच्चे शामिल नहीं होते हैं उन के विरुद्ध कार्रवाई की जाती है क्योंकि वे ईसाई धर्म को मानने के लिये तैयार नहीं होते है ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : मेरे पास ऐसी कोई सूचना नहीं है ।

श्री रामावतार शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न का जवाब नहीं आया ?

अध्यक्ष महोदय : जवाब मंत्री महोदय ने दिया है आप ने सुना नहीं । We have already taken 15 minutes. Kindly permit me to go to the next question.

Production of Television sets

\+

*484. **Shri K. P. Singh Deo:**
Shri R. K. Birla:
Shri P. K. Deo:
Shri Dhirendranath:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Onkar Singh:
Shri J. Sundar Lal:

Will the Minister of **Education** be pleased to state.

(a) whether the commercial production of television sets at the Central Electronics Research Institute, Pilani has since commenced;

(b) if not, when it will start production;

(c) the target of production per year; and

(d) at what price the television set would be made available to the public?

The Minister of Education (Dr. Triguna Sen): (a) The Central Electronics Engineering Research Institute, Pilani has set up a Batch Production Unit and not a commercial production unit.

(b) The first batch of T.V. Sets has already been produced.

(c) The batch production capacity is 1000 sets per year.

(d) The sale price is estimated at Rs. 1350/- for a 19" screen set and Rs 1500/- for a 23" screen Set (exclusive of local taxes).

Shri K. P. Singh Deo: In view of the fact that the T.V. sets produced at Pilani will be cheaper than imported sets, is there any difficulty in importing parts worth Rs. 250/- per set? There are some parts which are to be imported, like coils and other things. Are there any difficulties from the Government due to which they want to stop the import of these parts and thereby stop commercial production?

Dr. Triguna Sen: The foreign exchange investment in a plant of 10,000 sets capacity would be near about 9.5 lakhs. To start with the foreign exchange required for a set would be 250 in the first year and it has to come down to less than Rs 100 per set as soon as the indigenous production of picture tubes and a few other valves are started and we expect that they will be cheaper than the foreign sets

श्री ओंकार लाल बेरवा : मैं जानना चाहता हूं कि इसमें कितने पुर्जे विदेशी हैं और कितने पुर्जे हमारे अपने देश के है ?

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भागवत झा आजाद) : अभी तो उसका जवाब दिया गया है ।

Shri S. K. Tapuriah: Is the Minister aware that there is shortage of T.V. sets in the market and they are